

OVERREACH : अभिसं-दधाति *or* -धत्ते (धा, c. 3.) : v. To deceive.

OVERREACHING (subs.) : अभिसन्धानम् : v. Deception.

OVERRIDE : Fig. : अधिगच्छति (गम्, c. 1.), *one who o.s virtue* : धर्मातिगः, Mah. v. 92. 2.

OVERRIPE : अतिपक्व (f. का) : v. Ripe.

VERRULE : अधः क्षिपति (क्षिप्, c. 6.) (?).

VERRULING : (adj.) : प्रभविष्णु (mfn) : v. Also omnipotent.

VERRUN : उपप्लवते (प्लु, c. 1.), *the o. world* : उपप्लुतं विश्वम्, Si. i. 38. : v. Also to harass, oppress.

VERSEE : v. To inspect, overlook.

VERSEER : परिदर्शकः (??).

VERSHADOW : छादयति (छद्, c. 10.) : v. To eclipse.

VERSHOOT : लक्ष्यम् अतिक्रामति *or* -क्राम्यति (क्रम्, c. 1. and 4.).

VERSHOT : I. Drunk : क्षीवः (वा, वं). II. Of wheels : *द्विद्रवत् (f. ती).

VERSIGHT : I. Care : q.v. II. Mistake : q.v. : अनवेक्ष्णा.

VERSLEEP : दीर्घं स्वपिति (स्वप्, c. 2.) : v. To sleep.

VERSPREAD : समावृणोति (वृ, c. 5.) : v. To cover.

VERSTATE : v. To exaggerate.

VERSTEP : अतिक्राम्यति (क्रम्, c. 4.) : v. To exceed.

VERSTOCK : पूरयति (= to fill) will gen. do. : v. Also stock.

VERSTRAIN : क्षिभ्राति (क्षिभ्, c. 9.) (= to pain : q.v.).

VERT : प्रकाशः (शा, शं) : v. Open.

VERTAKE : I. To come up with : *I could o. even Garuḍa* : पूर्वप्रस्थितं बैनतेयमप्यासादयेयम्, V. i. : v. To reach, catch. II. To fall upon : पतति, नि-, (पत्, c. 1.) (with loc.).

VERTASK : अतिभारं न्यस्यति (अस्, c. 4.), etc. (with loc.).

VERTAX : I. Lit. : अधिककरं न्यस्यति, etc. (with loc.). II. Fig. : v. To overtask.

VERTHROW (v.) : I. To upset : q.v. II. To ruin, demolish : q.v. : (1) पोथयति, अव-, (पुथ्, c. 10.); (2) मृदाति, अव-, (मृद्, c. 9.).

VERTHROW (subs.) : ध्वंसः, वि-, प्र- : v. Destruction.

VERTLY : प्रकाशम् : v. Openly.

VERTOP : अतिक्राम्यति (क्रम्, c. 4.) : v. To exceed, surpass.

VERTURE : I. Proposal : उपन्यासः (?) ; प्रस्तावना (?). II. A musical introduction : प्रस्तावना (?).

VERTURN : I. Lit. : विपर्यस्यति (अस्, c. 4.), *now the living world is o.ed* : विपर्यस्तः सम्प्रति जीवलोकः, U. i. II. To overthrow, ruin : q.v.

VERTVALUE : अधिकम् (f. कां) मन्यते (मन्, c. 4.) : v. To esteem.

VERTWEENING : उद्धतः (ता, तं) : v. Haughty, arrogant.

VERTWEENINGLY : (1) सामिमानम् ; (2) उद्धतम् (=Haughtily).

VERTWEIGH : v. To overbalance.

VERTWHELM : सादयति, अव-, (c. of सद्), *o.ed with grief and sorrow* : दुःखशोकसन्न (f. न्ना), Ram. ii. 59. 32. : v. Also to crush, immerge. Ph. : *o.ing testimony* : अतिप्रबलं *or* -प्रचुरं सादयम् (?).

VERTWORK (v.) : अधिकं कर्म कारयति (c. of कृ) (?).

VERTWORK (subs.) : अधिककर्मन् (n.) (?) : v. Work.

VERTWROUGHT : perh. कार्मिक- in comp. : Also wrought.

VERTZEALOUS : (1) अत्युत्सुकः (का, कं); (2) अत्युत्साहिन (f. नी) : v. Also zealous.

VERTPAROUS : अण्डजः (जा, जं), "मृकाण्डजम्", Ku. iii. 42.

OWE (v.t.) : Lit. : धारयति (धृ, c. 10.) (with dat. of the creditor), *he o.s (me) ten sovereigns* : अयं दशसुवर्णकं धारयति, Mr. ii. ; *God o.s liberation to the pious* : भक्ताय धारयति मोक्षं हरिः, S.k. II. To be obliged for : expr. by circumlo,